jala.com
अमर उजाला
गोरखपुर
बुधवार, 11 अप्रैल 2018
4

मुख्यमंत्री की 'एक जिला एक उत्पाद' योजना को गति देने पहुंची उद्योग विभाग की टीम

बखिरा के बर्तनों को मिलेगा बाजार

अमर उजाला ब्यूरो

बखिरा।

मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना 'एक जिला एक उत्पाद' के तहत चयनित बखिरा के बर्तन कारोबार को संजीवनी देने के लिए विधायक राकेश सिंह बघेल ने प्रयास शुरू कर दिया है। यहां बन रहे बर्तनों को अंतर्राष्ट्रीय बाजार के अनुसार बेहतर तकनीक व डिजाइन मुहैया कराने के लिए उद्योग विभाग के अंतर्गत कार्यरत उत्तर प्रदेश डिजाइनिंग संस्थान की टीम मंगलवार को बखिरा पहुंची। संस्था की चेयरमैन शिप्रा शुक्ला के साथ ऐश्वर्या व अतिरिक्त आयुक्त आयात-निर्यात आरपी सिंह ने फूल-पीतल के बर्तनों को नजदीक से देखा।

चेयरमैन शिप्रा शुक्ला ने बताया कि स्थानीय कारीगरों द्वारा बनाए जा

डिजाइनिंग संस्थान, लखनऊ की चेयरमैन ने बखिरा बर्तन कारखानों को नजदीक से देखा व समझा।

रहे फूल और पीतल के परंपरागत बर्तन अब चलन से बाहर हो चुके हैं। पुरानी कारीगरी को नई तकनीक से उन्नत किया जाएगा। नवीनतम तकनीक से यहां के बर्तन भी अंतर्राष्ट्रीय बाजार के अनुसार बनने लगेंगे। इस प्रक्रिया से बने बर्तनों को एक व्यापक अंतरराष्ट्रीय बाजार भी मिल सकेगा। चेयरमैन ने बताया कि यहां के विजिट से पूरी बातों पर समग्रता से अध्ययन किया जाएगा। इसके बाद कारीगरों को उन्नत तकनीक मुहैया कराने के लिए वर्कशॉप व ट्रेनिंग केंद्र भी खोलने की दिशा में कार्य किया जाएगा। इससे कारीगरों को आधुनिक तकनीक की जानकारी मिल सकेगी। आयात-निर्यात विभाग के आरपी सिंह ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में बेहतर क्राफ्ट के बर्तनों की बहुत मांग है। हल्के व आकर्षक डिजाइन के बर्तन विश्व में खूब पसंद किए जाते हैं। यहां पर क्राफ्ट की काफी संभावनाएं हैं।

यहां के कारीगरों को मुहैया कराई जाएगी बेहतर तकनीक और डिजाइन : शिप्रा शुक्ला

उन्नत तकनीक से बने यहां के बर्तनों को निर्यात की असीम संभावनाएं हैं। इसके लिए प्रदेश सरकार पूरी जिम्मेदारी से काम कर रही है। इससे पूर्व टीम ने पंचायत भवन परिसर में लगे फूल पीतल के बर्तनों के स्टाल को देखा व यहां की कारीगरी की प्रशंसा भी की। इसके बाद टीम ने स्थानीय विधायक राकेश सिंह बघेल के साथ करीब आधा दर्जन बर्तन के कारखानों में जाकर बर्तन बनाने की प्रक्रिया को देखा व समझा। बर्तन कार्य में लगे मजदूरों से भी काम की असुविधा के बारे में जानकारी ली।

टेराकोटा का 90 दिवसीय वर्कशाप शुरू

जागरण संवाददाता, भटहट, गोरखपुर: प्रदेश सरकार द्वारा बजट में एक जिला एक उत्पाद योजना (ओडीओपी) के तहत टेराकोटा को शामिल करने से हस्त शिल्पियों के दिन बहुरने का समय आ गया है। मंगलवार को गुलरिहा बाजार में यूपी डिजाइन इंस्टीट्यूट (यूपीआइडी) की अध्यक्ष शिप्रा शुक्ला द्वारा हस्त शिल्पियों की नब्बे दिवसीय प्रशिक्षण वर्कशाप की शुरूआत की गई।

वर्कशाप में 25 हस्त शिल्पियों को नई डिजाइन व तकनीकी का प्रशिक्षण देने के लिए एक-एक डिजाइनर एवं मास्टर ट्रेनर तैनात किए गए हैं। अपर आयुक्त उद्योग राकेश कुमार सिंह ने कहा कि वर्कशाप में हस्तशिल्पियों को परंपरागत डिजाइन से हटकर नई कलाकृतियों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षित हस्त शिल्पियों को तैयार उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार के लिए तैयार किया जा सकेगा। यूपीआइडी की अध्यक्ष ने कहा कि ओडीओपी योजना को मजबूत बनाने के लिए मोबाइल एप तैयार करने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। इसके माध्यम से प्रदेश के शिल्पकारों, राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय डिजाइनरों एवं शिल्प उद्यमियों में समन्वय स्थापित किया जाएगा।

सहायक आयुक्त उद्योग पूजा श्रीवास्तव ने बताया कि यूपीआइडी का लक्ष्य है कि प्रत्येक हस्तशिल्पकार को नए तकनीकी ज्ञान दिए जाए। औरंगाबाद, गुलरिहा, भरवलिया एवं जंगल एकला के टेराकोटा हस्तशिल्पियों को कार्यशाला में शामिल किया गया है। वर्कशाप में भाग ले रहे प्रत्येक हस्तशिल्पी को 250 रुपये प्रति दिन का मानदेय दिया जाएगा।

टेराकोटा प्रशिक्षण कार्यशाला में गुर सीखते हस्तशिल्पी ● जागरण

पहल

- हस्तशिल्पियों को नई कलाकृतियों का दिया जाएगा प्रशिक्षण
- एप के माध्यम से शिल्प उद्यमियों में स्थापित किया जाएगा समन्वय

गुलरिहा, भरवलिया एवं जंगल एकला के टेराकोटा हस्तशिल्पियों को वर्कशाप में शामिल किया गया है। वर्कशाप में भाग ले रहे प्रत्येक हस्तशिल्पी को 250 रुपये प्रति दिन का मानदेय दिया जाएगा। हस्तशिल्पियों को पगमील व इलेक्ट्रानिक चाक आदि मुहैया कराने के लिए स्टीमेट बनाकर भेज दिया गया है। बनारस के

टेराकोटा उत्पाद के लिए लखनऊ व वाराणसी में बन रहा शोरूम

भटहट : एक जिला एक उत्पाद योजना के तहत प्रदेश सरकार द्वारा औरंगाबाद के टेराकोटा उत्पादों के लिए लखनऊ एवं वाराणसी में काटेज इंपोरियम की व्यवस्था की जा रही है। इससे नई डिजाइन की कलाकृतियों को बेहतर बाजार मुहैया हो सकेगा।

इवेंट में यहां की कलाकृतियों का प्रदर्शन किया जाएगा। इस दौरान जिला उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केंद्र के उपायुक्त रंजन चतुर्वेदी, सहायक आयुक्त प्रभात यादव आदि मौजूद रहे।

टेराकोटा में आधुनिकता के रंग भरने के गुर सीखे

गोरखपुर | कार्यालय संवाददाता

एक जिला एक उत्पाद योजना के तहत टेराकोटा शिल्प को वैश्विक पहचान देने की कवायद शुरू हो गई है। मंगलवार से गुलरिहा में मास्टर ट्रेनर राजन प्रजापति की अगुवाई में 90 दिनों तक चलने वाली कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। मास्टर ट्रेनर ने कार्यशाला में शिरकत करने वाले शिल्पियों को नई-नई डिजाइन के बारे में जानकारी दी।

टेराकोटा शिल्प में आधुनिकता का रंग भरने के गुर को लेकर गुलरिहा बाजार में यूपी डिजाइन इंस्टीट्यूट की अध्यक्ष शिप्रा शुक्ला ने कार्यशाला का शुभारंभ किया। टेराकोटा हस्तशिल्पियों को 90 दिन तक चलने वाले प्रशिक्षण कार्यशाला में शिल्प को लेकर बारीकियों की जानकारी दी जाएगी। कार्यशाला में 25 हस्तशिल्पियों को नई डिजाइन व तकनीकी का प्रशिक्षण देने के लिए एक-एक डिजाइनर एवं मास्टर ट्रेनर तैनात किए गए हैं। अपर आयुक्त उद्योग राकेश कुमार सिंह ने कहा कि वर्कशाप में हस्तशिल्पियों को नई कलाकृतियों का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

यूपीआईडी की अध्यक्ष शिप्रा शुक्ला ने बताया कि शिल्पकारों के उत्पाद को दूर-दूर तक पहुंचाने के लिए यूपीआईडी एक वार्षिक कलेंडर भी प्रकाशित करेगा जिसमें पूरे साल आयोजित होने वाले हस्तशिल्प का ब्योरा होगा। उन्होंने बताया कि टेराकोटा शिल्पकारों को जल्द ही इलेक्ट्रानिक चॉक, इलेक्ट्रानिक भट्ठी और मिट्टी गुथने की मशीन मुहैया कराई जायेगी। शिप्रा शुक्ला ने कहा कि ऐप के माध्यम से

आयोजन

- टेराकोटा हस्तशिल्पियों के लिए शुरू हुई कार्यशाला
- मास्टर ट्रेनर राजन प्रजापति ने नई डिजाइन की दी जानकारी

डिजाइनर स्टूडियो में इजाद होगी नई-नई डिजाइन

यूपीआईडी ने गोरखपुर में डिजाइनर स्टूडियो को स्थापित करने की कवायद तेज कर दी है। स्टूडियो में नामी डिजाइनर औरंगाबाद के शिल्पकारों की मदद के लिए प्रत्येक माह नये-नये डिजाइन तैयार करेंगे। यूपी इंस्टीच्यूट ऑफ डिजाइन की अध्यक्ष शिप्रा शुक्ला ने स्टूडियो के लिए मिनिस्ट्री ऑफ टेक्सटाइल एंड हैंडीक्राफ्ट के नामी डिजाइनर अमरदीप पांडेय की नियुक्ति भी कर दी है। स्टूडियो में हर महीने दो दर्जन नए डिजाइन तैयार किये जाएंगे। शिल्पकारों की सहूलियत के लिए यूपीआईडी इसी महीने में एक एप लांच करने जा रहा है। एप में खरीदार से लेकर शिल्पियों का ब्योरा होगा।

प्रदेश के शिल्पकारों, राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय डिजाइनरों एवं शिल्प उद्यमियों में समन्वय स्थापित किया जाएगा। सहायक आयुक्त उद्योग पूजा श्रीवास्तव ने बताया कि हर हस्तशिल्पकार को नई तकनीकी का ज्ञान दिया जाएगा। औरंगाबाद, गुलरिहा, भरवलिया एवं जंगल एकला के टेराकोटा हस्तशिल्पियों को कार्यशाला में शामिल किया गया है। वर्कशाप में भाग ले रहे प्रत्येक हस्तशिल्पी को 250 रुपये प्रति दिन का मानदेय दिया जाएगा।

शनिवार को गुलरिहा में टेराकोटा को लेकर आयोजित कार्यशाला का हुआ उद्घाटन ● डीएनए

टेराकोटा में आधुनिकता के रंग भरने के गुर सीखे

गोरखपुर | कार्यालय संवाददाता

आयोजन

- टेराकोटा हस्तशिल्पियों के लिए शुरू हुई कार्यशाला
- मास्टर ट्रेनर राजन प्रजापति ने नई डिजाइन की दी जानकारी

डिजाइनर स्टूडियो में इजाद होगी नई-नई डिजाइन

परीक्षा में ड्यूटी का पारिश्रमिक नहीं मिला

स्पोर्ट्स कॉलेज में होगी खिता

दर्द और बुखार की दवाएं भी नहीं मिलती, रात

सहजनवा सीएचसी

बीमार अस्पताल 4